जय जवान जय किसान

भारत माँ के दो रक्षक हैं,
दोनों को आराम हराम ।
दोनों अपनी आन के पक्के,
बोलो बच्चो ! उनके नाम ।।
जय जवान, जय किसान ।
जय जवान, जय किसान । जय......
रोली, चंदन माथे लगाकर
माँ-बहनों से आशिष पाई ।
कंधे पर सब शस्त्र सजाकर
दुल्हन ने दी मूक विदाई ।।

भारत माँ की रक्षा करने,
बच्चो ! यह जाता है कौन ?
जय जवान, जय जवान, जय..... ।
युद्ध-क्षेत्र में कूद पड़ा है,
अरिदल पर वह टूट पड़ा है ।
अनगिन लाशें बिछाकर सहसा,
कौन वीर यह स्वयं गिरा है ।।

किसका लहू यह लाल लाल,
कौन यह भारत माँ का लाल ।।
जय जवान, जय जवान, जय..... ।
जेठ की जलती दुपहरी,
या कि हो हिमपात भारी ।
इस धरती का सच्चा प्रहरी,
करता खेतों की रखवाली ।
भारत माँ का बढ़ाता मान,
बोलो बच्चो उसका नाम ।।

जय किसान, जय किसान, जय...... ।
खुद लोहे के चने चबाए,
हमको सच्चे चने खिलाए ।
खून-पसीना अथक बहाकर,
खेतों में सोना उपजाए ।
नित चलना है जिसका काम,
बोलो बच्चो उसका नाम ।।
जय किसान, जय किसान, जय...... ।
इन वीरों के कारण ही है,
पुलकित धरती का कन-कन ।
प्यारे बच्चो ! शीश झुकाकर
कर लें हम उनका वंदन ।।
जय जवान, जय किसान, जय जवान,
जय किसान, जय....... ।

संकलित

इन शब्दों के अर्थ जानो-

रक्षक - रक्षा करनेवाला
आशिष - आशीर्वाद
अरिदल - शत्रुओं का समूह
लहू - खून
प्रहरी - पहरेदार
पुलकित - प्रसन्न

१. पढ़ो और सोचकर लिखो-

क) भारत माँ के दो रक्षक कौन कौन हैं ?

ख) जवान भारत माँ की रक्षा कैसे करता है ?

ग) किसान को भारत माँ का रक्षक क्यों कहा गया है ?

घ) वीर जवान घर से किस प्रकार विदा लेता है ?

ङ) वीर जवान युद्ध क्षेत्र में किस प्रकार लड़ता है ?

२. अर्थ बताओ-

क) खून - पसीना अथक बहाकर,
खेतों में सोना उपजाए ।

ख) किसका लहू यह लाल-लाल,
कौन यह भारत माँ का लाल ।

३. नीचे लिखे पंक्तियों को पूर्ण करो-

क) युद्ध क्षेत्र में कुद पड़ा है,
..................।

ख) प्यारे बच्चो शीश झुकाकर,
....................।

४. **सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (×) चिह्न लगाओ-**

क) इस देश के सच्चे रक्षक वीर जवान और किसान हैं ।

ख) किसान शत्रु पर टूट पड़ता है और अनगिनत लाशें बिछाता है ।

ग) जवान खून पसीना एक कर खेतों में सोना उपजाता है ।

घ) हमें वीर जवानों की वन्दना करनी चाहिए ।

५. **वचन बदलो-**

माँ, बहन, बच्चा , बेटा ।

६. **कविता से आगे-**

तुम भी पढ़ लिखकर जवान और किसानों की तरह देश की सेवा कर सकते हो । अभी से उसका अभ्यास करो ।

किसी देश-भक्त जवान की कहानी पढ़कर कक्षा में सुनाओ ।

सर्वेषां नो जननी

सर्वेषां नो जननी
भारत धरणी कल्पलतेयम्
जननी दत्सल-तनय गणैस्तत्
सम्यक् शर्म विधेयम्
सर्वेषां.......
हिमगिरि-सीमन्तित-मस्तकमिदम्
अम्बुछि-परिगत-पार्श्वम्
अस्मद जन्मदमन्मदमनिशं
श्रोतपुरातनमार्षम्
विजनित हर्षं भारतवर्षम्
विश्वोत्कर्षनिदानम्
भारतशर्मणि कृतमस्माभिः
नवमितमैदयविधानम्-
सर्वेषां....

भारतपङ्कजदलमिदमुत्कल
मण्डलभितिदिदितं यत्
तस्यकृते दयमत्र समेता
विहतित्रोत्कल संसत्
भारतमेका गतिरस्मावंऽ
नापरास्ति भुवि नाम
सर्वादौ परिषत् कर्माणि तत्
भारतमेव नमामः

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दोस्ताँ हमारा - हमारा
हम बुलबुले है इसकी
ये गुलसिताँ हमारा - हमारा
सारे जहाँ से अच्छा ।
पर्वत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का
वो संतरी हमारा वो पासवाँ हमारा-हमारा
सारे जहाँ से अच्छा ।
गोदी मे खेलती हैं जिसकी हजारों नदियाँ
गुलशन है जिसके दम से
रश्के जीना हमारा-हमारा
सारे जहाँ से अच्छा ।
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
हिन्दी हैं हम बतन हैं हिन्दुस्तां हमारा-हमारा
सारे जहाँ से अच्छा ।

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शितलाम्
शस्य श्यामलाम् मातरम्
वन्दे मातरम् ।
शुभ्र ज्योत्सना पुलकित यामिनीम्
फुल्ल कुसुमित द्रुम दल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम्, बरदाम्, मातरम्
वन्दे मातरम्

प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमजोर हो ना
हम चले नेक रस्ते पे हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना ।
इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमजोर हो ना
दूर अज्ञान के हो अंधेरे
तु हमे ज्ञान की रोशनी दे
हर बुराई से बच के रहे हम
जितनी भी दे भली जिंदगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से
भावना मन में बदले की हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना ।
हम न सोचे हमे क्या मिला है
हम ये सोचे किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बॉटे सभी को
सबका जीवन ही बन जाए मधुवन
अपनी करूणा का जल तू बहा के
कर दे पावन हरेक मन का कोना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना दाता
मन का विश्वास कमजोर हो ना

....

राष्ट्रीय गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे, भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिन्ध, गुजरात, मराठा, द्राविड़ उत्कल बंग।
विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा, उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे, भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे।